QP – 084

2

III Semester B.Com. Examination, April/May 2021
(Repeaters) (2016 – 17 & Onwards) (CBCS)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Sarakari Patra and Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. **एक** शब्द या वाक्य में उत्तर लिखिए। **(10×1=10)**

1) बहादुर शाह ज़फर कौन था ?
2) समुद्री लुटेरे कौन थे ?
3) पुर्तगालियों ने कालीकट में व्यापारिक कोठी कब बनाई ?
4) खूबसूरत जवान वट्रेसेज क्या सर्व कर रही थी ?
5) 'हेक्टर' का अंग्रेजी अर्थ लिखिए ?
6) अंग्रेज़ा ने प्लासी की लड़ाई में किसे पराजित किया ?
7) मद्रास से प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र कौनसा था ?
8) ब्रह्म समाज की स्थापना किसने की थी ?
9) जलियांवाला बाग का प्रवेश द्वार कैसा था ?
10) साइमन कमीशन के विरोध में जुलूस किसने निकाला था ?

St Claret College LIBRARY Bangalore-560073

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की संदर्भ सहित स्पष्टीकरण कीजिए। **(2×6=12)**

1) चमड़ी गोरी ही नहीं, मोटी भी है! अबे फूऽऽऽट भूतनी के !
2) मार-मार कर अधमरा कर दिया है, अब क्या जान ही ले लोगे ?
3) ब्रिटिश गवर्नमेंट के खिलाफ़ आवाज़ उठाने की यही सज़ा है बास्टर्ड़।
4) अभी तो इन को ड्रेसअप होना भी नहीं आता मि. साइमन।

III. 'अलख आज़ादी की नाटक एक बहुपात्रिय एवं बहुदृश्ययी, चार सौ वर्षों के कालक्रम को चित्रित करनेवाला नाटक हैं' पुष्टि कीजिए । **12**

अथवा

'अलख आज़ादी की' नाटक का मूल्यांकन कीजिए ।

P.T.O.

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए। **(1×6=6)**

1) औरंगज़ेब

2) हॉकर।

V. कोई **दो** पत्र लिखिए। **(2×10=20)**

1) श्री. के. आर. गणपति, आई.ए. एस. सचिव भारत सरकार केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली की ओर से, शिक्षा संचालक कर्नाटक राज्य बेंगलूर को स्वैच्छिक हिन्दी सेवी संस्थाओं को अनुदान देने का प्रस्ताव रखते हुए सामान्य सरकारी पत्र लिखिए ।

2) श्री अमलेन्द्र आई.ए. एस. सचिव, समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से, श्री मोनिक शर्मा की सेवा अवधि 2 वर्षों तक बढ़ाए जाने की सहमति मांगते हुए, सचिव भारत सरकार, वित्त मंत्रालय नई दिल्ली को एक अर्ध सरकारी पत्र लिखिए।

3) श्री. अमल कुमार आई. ए. एस. सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली की ओर से, निदेशक आकाशवाणी–बेंगलूर को, विविध भारती कार्यक्रम से विज्ञापनों के प्रसारण के सम्बंध में सूचना देते हुए एक परिपत्र लिखिए ।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए। **10**

लेकिन अकेली राजनीतिक समानता अधूरी और लंगड़ी है। इसके साथ सामाजिक समानता भी चाहिए। आज के समाज में शास्त्रों का कोई कितना ही बड़ा पण्डित हो, किन्तु वह पुरोहित या पूजारी नहीं हो सकता। यह सामाजिक स्वतन्त्रता के अभाव को सूचित करता है। इस प्रकार राजनीतिक और सामाजिक स्वतंत्रता के समान जब तक आर्थिक समानता न हो तब तक समानता अधूरी है। आर्थिक समानता का यह अभिप्राय कदापि नहीं है कि सबके वेतन और सबकी मज़दूरी एक समान हो। इसका सही अर्थ तो यह है कि सबको अपनी उन्नति करने का अवसर प्राप्त हो। यदि भूमि और मशीन पर समाज का स्वामित्व न होकर व्यक्ति विशेष का होगा तब एक कुपद और निरक्षर व्यक्ति भी एक सेठ का लड़का होने के कारण बड़ी जायदाद का मालिक हो जायेगा और एक सम्पत्तिहीन व्यक्ति विद्वान होकर भी नौकरी की खोज में भटकता हुआ दिखाई देगा। अत: ज़मीन और मशीन तथा उत्पादन के अन्य साधन समाज के नियंत्रण और स्वामित्व में रहने चाहिए यह एक और कारण से भी आवश्यक है यदि ज़मीन मशीन और उत्पादन साधनों पर समाज का स्वामित्व न होगा तो बूढ़े धनी व्यक्ति अपने सम्पत्ति के बल पर शासन की मशीनरी पर कब्जा कर लेंगे और लोकतंत्र शासन भी बूढ़े व्यक्तियों के एक विशेष वर्ग के हित का साधन हो जायेगा । आर्थिक समानता के अभाव में लोकतंत्र शासन अभी पूंजीवाद का पोषक और जनता के शोषण में सहायक हुआ है।